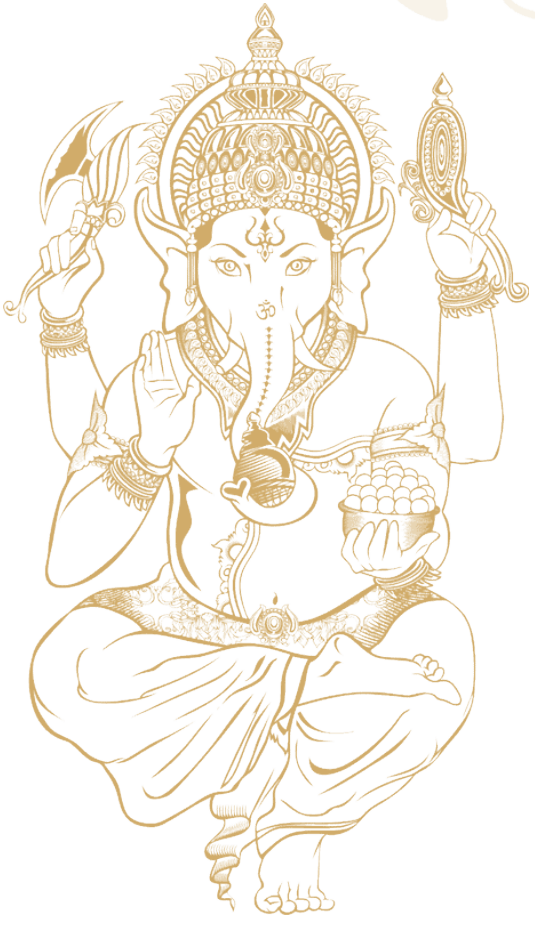

Tarkeshwar

19 Aug 1969

09:05 PM

Faizabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121186304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/08/1969**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:05:00 घंटे**
इष्ट	38:45:16 घटी
स्थान	**Faizabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:46:00 उत्तर
रेखांश	82:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:03:32 घंटे
वेलान्तर	-00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल	18:54:46 घंटे
सूर्योदय	05:34:53 घंटे
सूर्यास्त	18:34:53 घंटे
दिनमान	13:00:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:01:44 सिंह
लग्न के अंश	25:28:58 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ब्रह्म
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	25:28:58	488:52:45	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			सिंह	03:01:44	00:57:45	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण
चंद्र			तुला	18:01:10	13:25:20	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	सम राशि
मंगल			वृश्चि	18:55:03	00:26:58	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	स्वराशि
बुध			सिंह	26:25:39	01:25:59	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
गुरु			कन्या	12:21:16	00:11:20	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	25:27:32	01:09:56	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि			मेष	15:30:45	00:00:10	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	नीच राशि
राहु			कुंभ	27:52:15	00:01:06	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	27:52:15	00:01:06	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कन्या	08:37:30	00:03:15	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
नेप			वृश्चि	02:32:41	00:00:23	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
प्लूटो			कन्या	00:26:37	00:02:01	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			धनु	19:09:53	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:26:01

लग्न-चलित

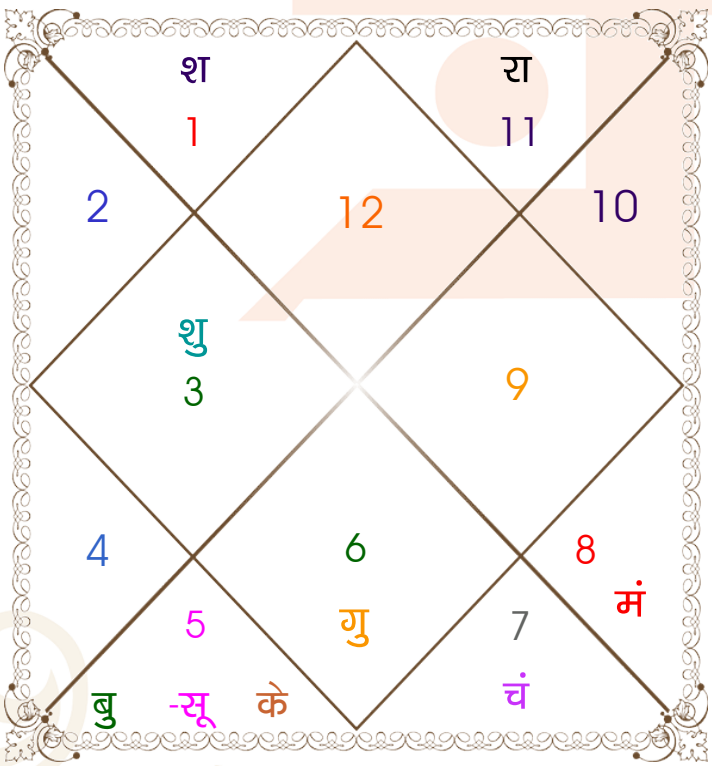

चन्द्र कुंडली

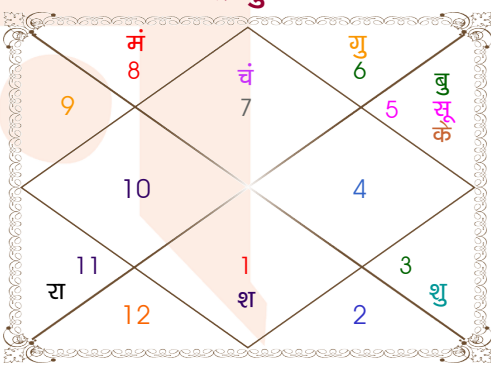

नवमांश कुंडली

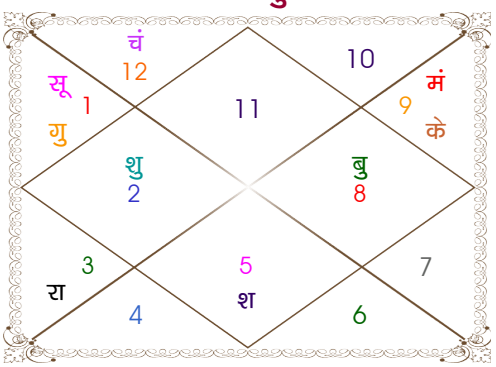

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 2 वर्ष 8 मास 2 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/08/1969		22/04/1972		22/04/1988		23/04/2007		22/04/2024	
22/04/1972		22/04/1988		23/04/2007		22/04/2024		23/04/2031	
	00/00/0000	गुरु	10/06/1974	शनि	26/04/1991	बुध	18/09/2009	केतु	18/09/2024
	00/00/0000	शनि	22/12/1976	बुध	03/01/1994	केतु	16/09/2010	शुक्र	18/11/2025
	00/00/0000	बुध	29/03/1979	केतु	12/02/1995	शुक्र	17/07/2013	सूर्य	26/03/2026
	00/00/0000	केतु	04/03/1980	शुक्र	13/04/1998	सूर्य	23/05/2014	चंद्र	25/10/2026
	00/00/0000	शुक्र	03/11/1982	सूर्य	26/03/1999	चंद्र	22/10/2015	मंगल	23/03/2027
	19/08/1969	सूर्य	23/08/1983	चंद्र	25/10/2000	मंगल	19/10/2016	राहु	10/04/2028
सूर्य	04/10/1969	चंद्र	22/12/1984	मंगल	04/12/2001	राहु	08/05/2019	गुरु	17/03/2029
चंद्र	05/04/1971	मंगल	27/11/1985	राहु	09/10/2004	गुरु	13/08/2021	शनि	26/04/2030
मंगल	22/04/1972	राहु	22/04/1988	गुरु	23/04/2007	शनि	22/04/2024	बुध	23/04/2031

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
23/04/2031		23/04/2051		22/04/2057		23/04/2067		23/04/2074	
23/04/2051		22/04/2057		23/04/2067		23/04/2074		00/00/0000	
शुक्र	22/08/2034	सूर्य	10/08/2051	चंद्र	21/02/2058	मंगल	19/09/2067	राहु	03/01/2077
सूर्य	23/08/2035	चंद्र	09/02/2052	मंगल	22/09/2058	राहु	06/10/2068	गुरु	29/05/2079
चंद्र	22/04/2037	मंगल	16/06/2052	राहु	23/03/2060	गुरु	12/09/2069	शनि	04/04/2082
मंगल	22/06/2038	राहु	11/05/2053	गुरु	23/07/2061	शनि	22/10/2070	बुध	22/10/2084
राहु	22/06/2041	गुरु	27/02/2054	शनि	21/02/2063	बुध	19/10/2071	केतु	09/11/2085
गुरु	21/02/2044	शनि	09/02/2055	बुध	22/07/2064	केतु	17/03/2072	शुक्र	09/11/2088
शनि	23/04/2047	बुध	16/12/2055	केतु	20/02/2065	शुक्र	17/05/2073	सूर्य	19/08/2089
बुध	21/02/2050	केतु	22/04/2056	शुक्र	22/10/2066	सूर्य	21/09/2073		00/00/0000
केतु	23/04/2051	शुक्र	22/04/2057	सूर्य	23/04/2067	चंद्र	23/04/2074		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 2 वर्ष 7 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।